आकाशवाणी श्री विजयपुरम

07.11.2024 समय : 1850

- वन रैंक वन पेंशन योजना के दस वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अपने सैनिकों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता प्रकट करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

- इन्वेस्ट इंडिया की ओर से उद्योग विभाग के सहयोग से हितधारकों के लिए परामर्श और एक ज़िला–एक उत्पाद संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- उद्योग विभाग के उप–निदेशक अजीत आनंद ने स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

- लोक निर्माण विभाग, पंचायती राज संस्था के अभियंताओं और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों से जुड़े ठेकेदारों के लिए क्षमता निर्माण और कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

- खेल और युवा मामले विभाग की ओर से स्कूली बच्चों के लिए तैराकी पर कोचिंग कक्षाएं आयोजित की जाएगी।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि वन रैंक वन पेंशन को लागू करने का निर्णय लंबे समय से चली आ रही मांग और अपने सैनिकों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता प्रकट करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के आज दस साल पूरे होने पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में, श्री मोदी ने कहा कि यह पहल उन योद्धाओं और भूतपूर्व सैनिकों के साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि है, जो राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना जीवन न्यौछावर करते हैं। केंद्र की वन रैंक वन पेंशन योजना पूर्व सैनिकों के लिए उचित और समान पेंशन सुनिश्चित करने के लिए सरकार की परिवर्तनकारी योजना है। इस योजना में समान रैंक और समान सेवा अवधि के साथ सेवानिवृत्त होने वाले सैनिकों को समान पेंशन मिलती है, चाहे इनकी सेवानिवृत्ति की तारीख कोई भी हो।

<><><><><><><><>

संचार राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा है कि सैटेलाइट कम्युनिकेशन ग्राउंड–आधारित मोबाइल नेटवर्क के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि यह उनका पूरक होगा। नई दिल्ली में भारतीय अंतरिक्ष कॉन्क्लेव के तीसरे संस्करण को संबोधित करते हुए श्री पेम्मासानी ने कहा कि व्यापक कनेक्टिविटी प्राप्त करने के लिए सैटकॉम को 5जी और 6जी जैसी स्थलीय नेटवर्क प्रौद्योगिकियों के पूरक के रूप में देखा जाना चाहिए। श्री पेम्मासानी ने कहा कि 5जी और आगामी 6जी, सैटकॉम सेवाओं के साथ मिलकर जमीन और आसमान दोनों को जोड़ सकते हैं।

<><><><><><><><>

इन्वेस्ट इंडिया की ओर से उद्योग विभाग के सहयोग से हितधारकों के लिए परामर्श और एक ज़िला–एक उत्पाद संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्मेलन में ओडीओपी पहल के तहत स्थानीय उत्पादों पर प्रकाश डालते हुए आर्थिक अवसरों को बढ़ावा देने और क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर जानकारी दी गई। इस अवसर पर उद्योग विभाग के सहायक निदेशक अब्दुल रशीद और सुनीता कुमारी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विभाग के उप–निदेशक अजीत आनंद ने अपने संबोधन में स्थानीय उत्पादकों और कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इन्वेस्ट इंडिया की ओडीओपी की वरिष्ठ सहायक उपाध्यक्ष सोनिया दुहान ने स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर ओडीओपी के प्रभावों पर जानकारी साझा करते हुए द्वीपसमूह के उत्पादों की वैश्विक क्षमता पर जोर दिया। जेम के बिजनेस प्रशिक्षक मनेश मोहन ने जेम के माध्यम से ओडीओपी उत्पादों को कुशलतापूर्वक बढ़ावा देने और बेचने के लिए सरकारी ई–मार्केटप्लेस पर ओडीओपी बाज़ार का लाभ उठाने के बारे में जानकारी प्रदान की। आर ए कोलकाता के विदेश व्यापार के उप–महानिदेशक विष्णु कांत ने

निर्यात सुविधा और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी, जो स्थानीय व्यवसायों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचने में सहायता कर सकती हैं। कार्यक्रम में स्थानीय उत्पादों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिससे लोगों को द्वीपसमूह की शिल्पकला और अन्य उत्पादों के बारे में जानने का अवसर प्राप्त हुआ। इसमें खुदरा स्थान स्थापित करने की योजनाओं पर भी चर्चा की गई, जिसमें कारीगरों के लिए एक स्थायी और व्यापक मंच प्रदान किया जा सके। इसके अलावा मत्स्य पालन, समुद्री क्षेत्र और नारियल उद्योग दोनों के चालीस से अधिक विक्रेताओं के साथ–साथ उद्योग, समुद्री, कृषि और एम्पोरियम विभाग के केंद्रशासित प्रदेश के अधिकारियों के साथ वर्तमान चुनौतियों और मुद्दों को समझने के लिए हितधारकों के लिए एक परामर्श सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यकम में उद्योग विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यकम का संचालन इन्वेस्ट इंडिया के ओडीओपी प्रबंधक इशदीप सिंह ने किया।

<><><><><><><><>

लोक निर्माण विभाग, पंचायती राज संस्था के अभियंताओं और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों से जुड़े ठेकेदारों के लिए तीन दिवसीय क्षमता निर्माण और कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यकम मुख्य अभियंता कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में रखा गया है। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों के लिए ई–मार्ग ऐप के माध्यम से मौके पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए क्षेत्र का दौरा शामिल है। प्रशिक्षण का उद्घाटन डीएसई संयुक्त महानिदेशक प्रदीप अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर विभाग के मुख्य अभियंता टी.के. प्रीजीत रेख, ग्रामीण विकास निदेशक शिव सिंह मीना और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। संयुक्त महानिदेशक ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए सभी प्रतिभागियों से ई–मार्ग एप्लिकेशन के उपयोग को समझने और द्वीपसमूह में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के कार्यों के निष्पादन के दौरान इसका उपयोग करने का अनुरोध किया, जिससे ग्रामीण विकास मंत्रालय के ऑनलाइन पोर्टल पर कार्यों की प्रगति और उसके रखरखाव के अद्यतन में सुधार होगा। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण को विभिन्न सत्रों में विभाजित किया गया है, जिसमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा डी एल पी के तहत सड़क के रखरखाव के लिए विभिन्न कार्य पद्धति पर जानकारी प्रदान किया जाएगा। कार्यशाला का उद्देश्य अभियंताओं और ठेकेदारों को ई–मार्ग के पहले और बाद के पांच वर्षीय डी एल पी मॉड्यूल की कार्यक्षमताओं और लाभों से परिचित कराना है। लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता टीके प्रिजीत रेख ने उपस्थिति का स्वागत करते हुए द्वीपों में विभिन्न एजेंसियों और विभिन्न हितधारकों द्वारा बनाए गए सड़क बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए धन की कमी के कारण होने वाली कठिनाइयों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों से ग्रामीण सड़कों के रखरखाव के लिए ग्रामीण सड़क योजना फंड का उपयोग करने के लिए प्रशासन का समर्थन करने का अनुरोध किया। उन्होंने प्रशिक्षण के महत्व पर जोर देते हुए सभी प्रतिभागियों से साइट पर सक्रिय भागीदारी और कार्यान्वयन का अनुरोध किया।

<><><><><><><><>

भारतीय स्टेट बैंक–आर सेती द्वारा ग्रामीण विकास निदेशालय के प्रशिक्षुओं और बैंक सखियों के लिए हाल ही में आयोजित पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण के समापन कार्यक्रम में केन्द्रशासित स्तरीय बैंकर्स समिति के मुख्य प्रबंधक उमर फारूक और आर सेती के निदेशक सी राज उपस्थित थे। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उमर फारूख ने ग्रामीण लोगों के बीच बैंक सखियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जबकि सी राज ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यकम का लाभ उठाने का अनुरोध किया।

<><><><><><><><>

आंध्रा एसोसिएशन की आम सभा की बैठक कल सुबह दस बजे आंध्रा एसोसिएशन हॉल के परिसर में आयोजित की जाएगी। सभी सदस्यों को इस बैठक में शामिल होने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

खेल और युवा मामले विभाग की ओर से स्कूली बच्चों के लिए तैराकी पर कोचिंग कक्षाएं आयोजित की जाएगी। नेताजी स्टेडियम के तरणताल में सोमवार और अन्य सार्वजनिक अवकाश छोड़कर सभी दिनों में शाम साढ़े तीन बजे से पांच बजे तक कोचिंग दिया जाएगा। कोचिंग कक्षा के लिए पंजीकरण का कार्य ग्यारह से पन्द्रह नवम्बर तक किसी भी कार्य दिवसों में नेताजी स्टेडियम में किया जाएगा।

<><><><><><><>